प्रायोजक

F. No. 4-1/2018/GIA/AMIN/NCPUL

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद्

قومی کونسل برائے فروغ اردو زبان

National Council For Promotion of Urdu Language

Ministry of Human Resource Development Government of India

ISO 9001 : 2008 Certified Organization

Website : www.urducouncil.nic.in E-mail : director@ncpul.in / urduduniyancpul@yahoo.co.in

17 मार्च 2019

दिन- रविवार

प्रातः 11.00 से सायं 6.00 बजे तक

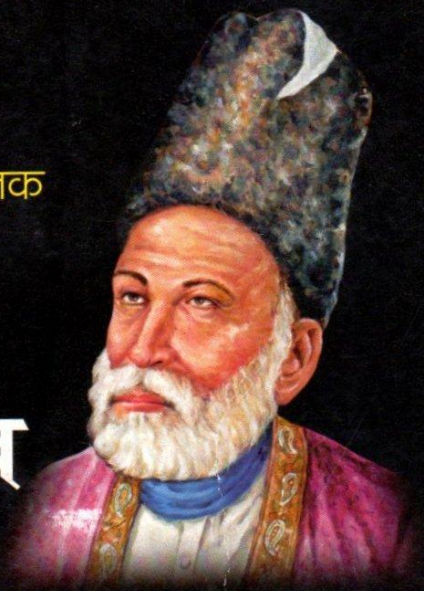

शहर बनारस में मिर्ज़ा ग़ालिब

संगोष्ठी

एवं

शाम - ए - ग़ज़ल

आयोजक

महापण्डित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र संस्था

K 57/125, नवापुरा, वाराणसी

डा. संगीता श्रीवास्तव (सचिव)
Mob.: 9451938931

श्री बी. एल. प्रजापति (उपाध्यक्ष)
Mob.: 8005094909

E-mail : r.sankrityayan@yahoo.in | Website: www.mahapanditsseak.org

कार्यक्रम स्थल

पराड़कर भवन, गोलघर, मैदागिन वाराणसी

शाम ए ग़ज़ल में शायरा सविता सौरभ

श्रोता दीर्घा

गौरवमयी मंच

69 वर्षों का साथ

गांडीव

पूर्वांचल के दिल की धड़कन

...il.com

...रण सं. 2019/57 पो. रजि. संख्या एल.आर.एन. 88/92, Licence to post without prepayment, Licence No VSI-(E)-08/2018-2020, Varanasi H.O.

'मिर्जा ग़ालिब विषयक संगोष्ठी' में शायरों ने श्रोताओं को अंत तक बांधे रखा

वाराणसी, 17 मार्च। राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'शहर बनारस में ग़ालिब' शीर्षक के अन्तर्गतद आज का समय और मिर्जा ग़ालिब विषयक संगोष्ठी एवं 'शाम-ए-गज़ल' का कार्यक्रम महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र, ...पुरा द्वारा रविवार को गोलघर स्थित ...ड़कर स्मृति भवन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आरम्भ संस्था सचिव डा. ...ीता श्रीवास्तव ने सस्वर ग़ालिब साहब की मशहूर गज़ल-'रहिये ऐसी जगह चलकर जहां कोई न हो' से किया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि वरिष्ठ गीतकार हरिराम द्विवेदी, अध्यक्ष प्रो. शाहिना रिज़वी तथा विशिष्ठ अतिथि डा. मुक्ता, डा. याक़ूब यावर, प्रो. अवधेश प्रधान, दिल्ली से आए ख़ालिद आज़मी आदि ने मिर्जा ग़ालिब के चित्र पर माल्यार्पण किया। अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण व स्मृति चिह्न देकर किया गया। डा. मुक्ता ने शॉल व स्मृति चिह्न मुख्य अतिथि को भेंटकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रो. याक़ूब यावर ने 'आज का समय और मिर्ज़ा ग़ालिब' विषय पर अपना विस्तृत वक्तव्य दिया। तत्पश्चात् प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. वशिष्ठ अनूप, ख़ालिद आज़मी, डा. निज़ामुद्दीन, डा. मो.अख्तर, डा. मो. लाइक, डा. ऋषि शर्मा ने अपना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन अभिनव अरुण ने किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र 'शाम-ए-गज़ल' की अध्यक्षता प्रसिद्ध शायर मेयार सनेही ने किया। इसमें दानिश जमाल, मो. निज़ामुद्दीन, वशिष्ठ अनूप, अशोक सिंह, अज़फर बनारसी, अलकबीर, सलाम बनारसी, रचना शर्मा, मंजरी पाण्डेय, धर्मेन्द्र साहिल, अभिनव अरूण, नवाब अहमद, संगीता श्रीवास्तव, शुभा श्रीवास्तव तथा शोएब गनी आदि बनारस के प्रसिद्ध शायरों, कवियों और कवित्रियों की गज़लें और काव्य पाठ ने श्रोताओं को अंत तक बांधे रखा। इस सत्र का संचालन ख़ालिद आज़मी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन बी.एल.प्रजापति ने किया। इस अवसर पर समाज के विद्वतजन, कवि, शायर और बड़ी संख्या में श्रोता उपस्थित थे।

...मार वाजपेयी द्वारा गांडीव यंत्रालय, नीचीबाग, वाराणसी से मुद्रित तथा गांडीव कार्यालय, नीचीबाग, वाराणसी से प्रकाशित। सम्पादक- रचना अरोड़ा। संस्थापक सम्पादक- स्व. डा. भगवानदास अरोड़ा। फोन- 2392969 (सम्पादकीय)

17 मार्च 2019

शहर बनारस में मिर्ज़ा ग़ालिब संगोष्ठी एवं शाम-ए-ग़ज़ल

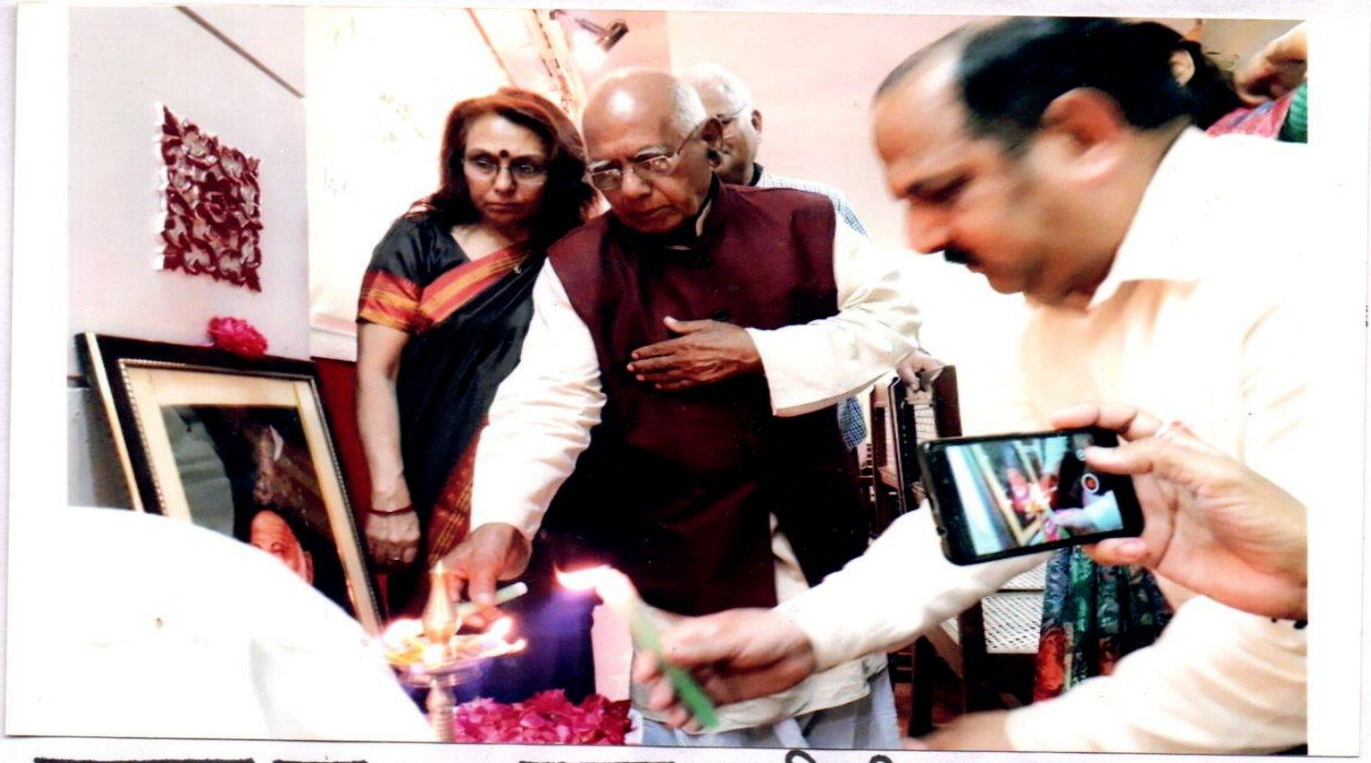

उद्घाटन सत्र - मुख्य अतिथी द्वारा मिर्ज़ा ग़ालिब साहिब के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन

सशक्त व समृद्धशाली मंच

संचालन करते हुये ख़ालिद आज़मी

मुख्य अतिथि को सचिव द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
मवार, 18 मार्च 2019, वाराणसी, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर
www.livehindustan.com

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद और महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध केंद्र ने किया आयोजन

गजलों व रचनाओं से दर्शायी सामाजिक विषमता

याद किया

वाराणसी | निज संवाददाता

शायरों ने रविवार को मिर्जा गालिब की गजलों से महफिल सजाई। उनकी गजलों के जरिये सामाजिक विषमताओं को रेखांकित किया।

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद एवं महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केंद्र की ओर से पराड़कर भवन में शाम-ए-गजल एवं संगोष्ठी हुई। अभिनव अरुण ने न समझो आसमानी बोलता हूं, मैं गालिब की निशानी बोलता हूं..., डॉ. मंजरी पाण्डेय ने अपना जिसे मैं कह सकूं कोई मिला नहीं..., शमीम गाजीपुरी ने चारों तरफ तुम्हारे खुशी के हैं जो चराग, किसका है हाथ इसमें बताओ तो जाने हम..., डॉ. अशोक सिंह ने किसी हुकूमत में तू आंखिर जाएगा, इश्क बगावत में लिखा जाएगा..., वशिष्ठ अनूप ने पत्थर के जंगलों का नजारा कैसा लगेगा... आदि रचनाएं पेश कीं।

पराड़कर भवन में रविवार को गालिब पर आयोजित संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते वक्ता।

मेयार सनेही, धर्मेंद्र गुप्त साहिल, अल कबीर, डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. रचना शर्मा, डॉ. सविता सौरभ आदि ने भी रचनाएं सुनाईं। इसके पूर्व आज का समय और मिर्जा गालिब विषय पर संगोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि गीतकार हरिराम द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि साहित्यकार डॉ. मुक्ता, डॉ. याकूब यावर, प्रो. अवधेश प्रधान आदि ने विचार रखे। अध्यक्षता प्रो. शाहिना रिजवी ने की। संचालन खालिद आजमी एवं धन्यवाद ज्ञापन बीएल प्रजापति ने किया।